

प्रपत्र

डा० एम०सी० जोशी,
अपर सचिव
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

जिलाधिकारी,
हरिद्वार, उधमसिंहनगर, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर,
उत्तरांचल।

ऊर्जा विभाग

देहरादून: दिनांक: 30 मार्च, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 में IREP कार्यक्रम हेतु आयोजनागत में वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निर्देशक, उरेडा के पत्र संख्या 3074/उरेडा/बजट/आईआरईपी/04-05 दिनांक 14.03.2005 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या 811/1/2004-03-1/3/04, दिनांक: 11.03.2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में उत्तरांचल अग्रय ऊर्जा विकास अभिकल्प (उरेडा) के आयोजनागत में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम (IREP) के लिये संलग्न बी०एम० 15 के अनुसार संगत मद से रु० 12,83,000/- एवं पुनर्विनियोग के माध्यम से रु० 3,11,000/- कुल रु० 15,94,000/- (रु० पन्द्रह लाख बीसानवे हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों के अधीन आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि की योजनावार/जिलावार फांट निर्देशक, उरेडा द्वारा करते हुये सम्बन्धित जिलों एवं शासन को अवगत कराया जायेगा।
- 2- उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यव IREP कार्य के लिये ही किया जायेगा तथा जिला योजना से सम्बन्धित व्यव जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्य पर उनके लिये अनुमोदित परिषद की सीमा के अन्तर्गत किया जायेगा। साथ ही उरेडा द्वारा भारत सरकार के गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोत विभाग के पत्रांक F No 47/30/2003-IREP दिनांक 17-1-2005 में इंगित शर्तों का पूर्ण रुपसे पालन किया जायेगा।
- 3- स्वीकृत धनराशि के बिल उरेडा के सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी के हस्ताक्षर एवं सम्बन्धित जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षरित बिल सम्बन्धित कोषागार में प्रस्तुत करके धनराशि का आहरण किया जायेगा। मुख्यालय से सम्बन्धित धनराशि का आहरण बिल एवं लेखाधिकारी, उरेडा द्वारा तैयार कर बिल पर एवं जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर उपरान्त किया जायेगा।
- 4- व्यव करने से पूर्व जिन मामलों/योजनाओं पर बजट मैन्युअल और फाईनेन्सियल हैण्डबुक के सुसंगत नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त की जायेगी। साथ ही योजनाओं पर वित्तीय/प्रशासकीय अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- 5- यह सुनिश्चित किया जायेगा कि जिला योजना में स्पेंडल कम्प्लेमेन्ट/ट्राईवल सब-प्लान के अन्तर्गत मात्राकृत परिषद/चिन्हित तथ्यों की सीमा तक उक्त स्वीकृत धनराशि से व्यव कमरा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति योजना के सापेक्ष किया जायेगा।
- 6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2005 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

a

7- उर्रेडा द्वारा कार्यक्रम/योजना के अधीन कार्यो का वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं अन्य वांछित सूचनार्थ, त्रैमासिक रूप से नियमित भारत सरकार के गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोत विभाग एवं शासन को प्रेषित की जायेगी तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र भी दिनांक 31.03.2006 को प्रेषित किया जायेगा।

8- उक्त अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं कार्यो की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति भारत सरकार से राज्य सरकार को शीघ्रतिशीघ्र प्रेषित कर द्वितीय किस्त भी शीघ्र प्राप्त करने का प्रयास किया जायेगा।

9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आव-व्ययक के अनुदान स0-19 के लेखासौर्यक-2501-ग्राम विकास के लिये विशेष कार्यक्रम-04-एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा आयोजन कार्यक्रम-105-परियोजनाओं का क्रियान्वयन-91-उर्रेडा को एकीकृत परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु अनुदान (जिला योजना)-00-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

2-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय स0- 1921/वि0अनु0-2/04, दिनांक 30 मार्च 2006 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

सलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(डा० एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

संख्या: 15 / 1/2004-03-1(1)/3/04, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में लाने हेतु/निजी सचिव, राज्य मंत्री को मा० राज्य मंत्री के संज्ञानार्थ।
- 2- प्रमुख सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तरांचल शासन को सूचनार्थ।
- 3- महालेखाकार, उत्तरांचल देहरादून।
- 4- सचिव, अपारम्परिक ऊर्जा स्रोत विभाग, भारत सरकार (द्वारा निदेशक, उर्रेडा)
- 5- कोषाधिकारी, हरिद्वार, उधमसिंहनगर, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर, उत्तरांचल।
- 6- निदेशक, उत्तरांचल अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण, उर्रेडा, देहरादून।
- 7- समस्त परियोजना अधिकारी, उर्रेडा, उत्तरांचल।
- 8- निर्वाजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 9- श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 10- वित्त अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 11- प्रभारी, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
- 12- विभागीय आदेश पुस्तिका हेतु।

आज्ञा से,

10/3

(डा० एम०सी० जोशी)

अपर सचिव

